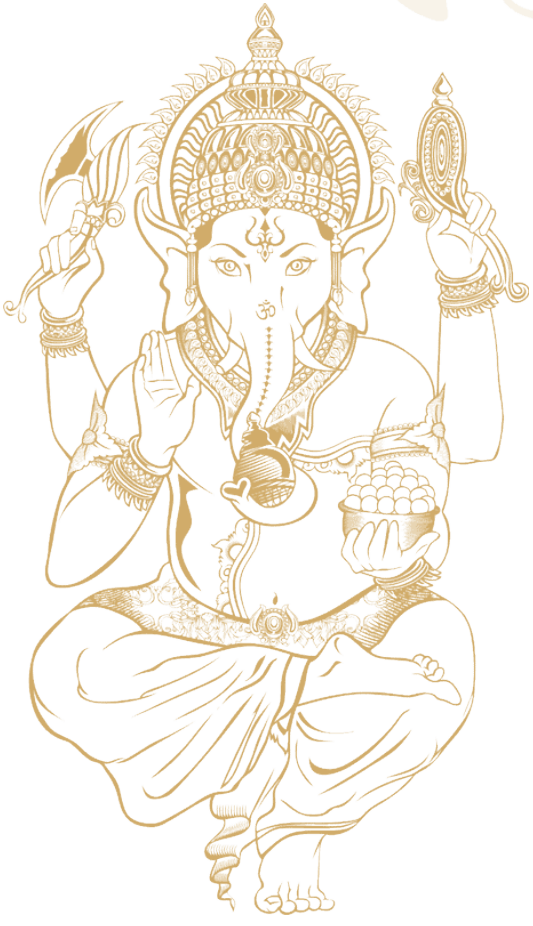

Tushar Tandon

01 Aug 2003

12:35 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121764906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/08/2003**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:35:00 घंटे**
इष्ट	17:40:55 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:28:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:21 घंटे
साम्पातिक काल	09:06:32 घंटे
सूर्योदय	05:30:37 घंटे
सूर्यास्त	18:54:24 घंटे
दिनमान	13:23:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:44:26 कर्क
लग्न के अंश	17:16:04 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:16:04	312:27:21	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	14:44:26	00:57:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	22:24:52	13:46:46	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		कुंभ	16:10:16	00:02:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	08:36:51	01:26:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	00:25:58	00:12:50	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	09:55:42	01:13:56	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	13:29:35	00:07:04	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	02:35:45	00:08:25	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:35:45	00:08:25	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	07:49:32	00:02:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:58:24	00:01:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:31:55	00:00:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	20:15:44	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:13

लग्न-चलित

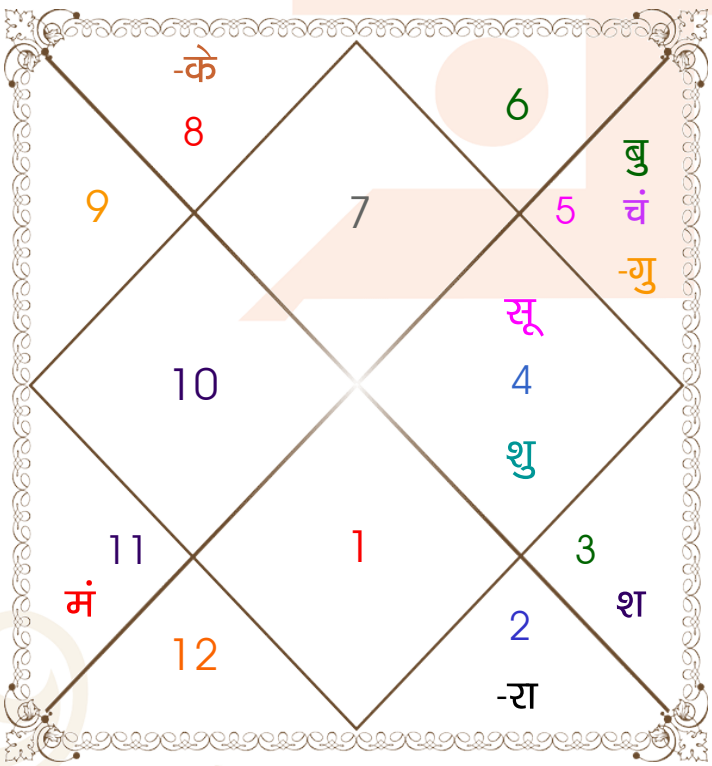

चन्द्र कुंडली

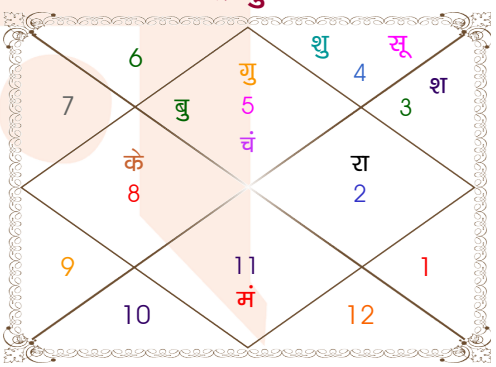

नवमांश कुंडली

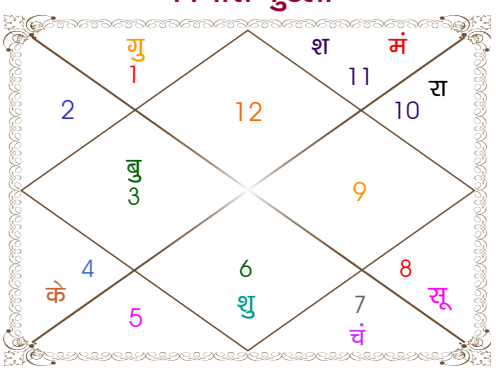

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 4 मास 16 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/08/2003		17/12/2009		17/12/2015		17/12/2025		17/12/2032	
17/12/2009		17/12/2015		17/12/2025		17/12/2032		17/12/2050	
	00/00/0000	सूर्य	05/04/2010	चंद्र	17/10/2016	मंगल	15/05/2026	राहु	30/08/2035
	00/00/0000	चंद्र	05/10/2010	मंगल	18/05/2017	राहु	02/06/2027	गुरु	22/01/2038
	00/00/0000	मंगल	10/02/2011	राहु	17/11/2018	गुरु	08/05/2028	शनि	28/11/2040
	00/00/0000	राहु	05/01/2012	गुरु	18/03/2020	शनि	17/06/2029	बुध	18/06/2043
	00/00/0000	गुरु	23/10/2012	शनि	17/10/2021	बुध	14/06/2030	केतु	05/07/2044
	01/08/2003	शनि	05/10/2013	बुध	18/03/2023	केतु	11/11/2030	शुक्र	06/07/2047
शनि	17/12/2005	बुध	11/08/2014	केतु	17/10/2023	शुक्र	11/01/2032	सूर्य	30/05/2048
बुध	17/10/2008	केतु	17/12/2014	शुक्र	17/06/2025	सूर्य	17/05/2032	चंद्र	29/11/2049
केतु	17/12/2009	शुक्र	17/12/2015	सूर्य	17/12/2025	चंद्र	17/12/2032	मंगल	17/12/2050

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/12/2050		17/12/2066		17/12/2085		18/12/2102		18/12/2109	
17/12/2066		17/12/2085		18/12/2102		18/12/2109		00/00/0000	
गुरु	03/02/2053	शनि	20/12/2069	बुध	14/05/2088	केतु	16/05/2103	शुक्र	18/04/2113
शनि	18/08/2055	बुध	29/08/2072	केतु	12/05/2089	शुक्र	15/07/2104	सूर्य	19/04/2114
बुध	22/11/2057	केतु	08/10/2073	शुक्र	12/03/2092	सूर्य	20/11/2104	चंद्र	18/12/2115
केतु	29/10/2058	शुक्र	07/12/2076	सूर्य	16/01/2093	चंद्र	21/06/2105	मंगल	16/02/2117
शुक्र	29/06/2061	सूर्य	19/11/2077	चंद्र	17/06/2094	मंगल	17/11/2105	राहु	17/02/2120
सूर्य	18/04/2062	चंद्र	21/06/2079	मंगल	15/06/2095	राहु	06/12/2106	गुरु	18/10/2122
चंद्र	18/08/2063	मंगल	30/07/2080	राहु	01/01/2098	गुरु	12/11/2107	शनि	02/08/2123
मंगल	23/07/2064	राहु	05/06/2083	गुरु	09/04/2100	शनि	21/12/2108		00/00/0000
राहु	17/12/2066	गुरु	17/12/2085	शनि	18/12/2102	बुध	18/12/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।